



कक्षा ८
वसंत भाग-२
पाठ २
बस की यात्रा

(हरिशंकर परसाई)



अनुदेशात्मक उद्देश्य

१. सामान्य:-

- हिंदी साहित्य की प्रमुख विधा व्यंग्य से छात्रों को अवगत कराना
- छात्रों में हिंदी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना
- छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना
- छात्रों की शब्दावली विकसित करना
- विभिन्न भाषायी कौशलों को विकसित करना(श्रवण,वाचन,पठन,लेखन)

२. विशिष्ट:-

- उचित गति, यति, आरोह- अवरोह एवं भाव के साथ पाठ का वाचन करना
- पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ स्पष्ट करना तथा उन्हें वाक्यों में प्रयोग करना
- पाठ का सार अपने शब्दों में व्यक्त करना
- यातायात की दुर्व्यवस्थाओं से अवगत कराना

सहायक सामग्री

- चाक
- झाड़न
- श्यामपट्ट
- पाठ्यपुस्तिका

पूर्वज्ञान परीक्षण

- यात्रा शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?

अनुमानित उत्तर:- एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना।

- यातायात का सबसे साधारण व सस्ता साधन कौन सा है?

अनुमानित उत्तर:- बस और ट्रेन।

- बस से सफ़र करना कार से सफ़र करने से किस प्रकार अलग है?

अनुमानित उत्तर:- बस में सफ़र करने पर हमारी मुलाकात अनेक प्रकार के लोगों से होती है।

- इस पाठ में लेखक ने बस यात्रा के दौरान अपने खट्टे-मीठे अनुभव सांझा किए हैं। आप भी अपनी किसी यात्रा के अनुभव बताइए।

अनुमानित उत्तर:- छात्र अपने -अपने अनुभवों को बताएंगे।

प्रारूप

- पाठ के मुख्य बिन्दु
- उच्चारण अभ्यास
- शब्दार्थ
- अनुभव आधारित अधिगम एवं गृहकार्य

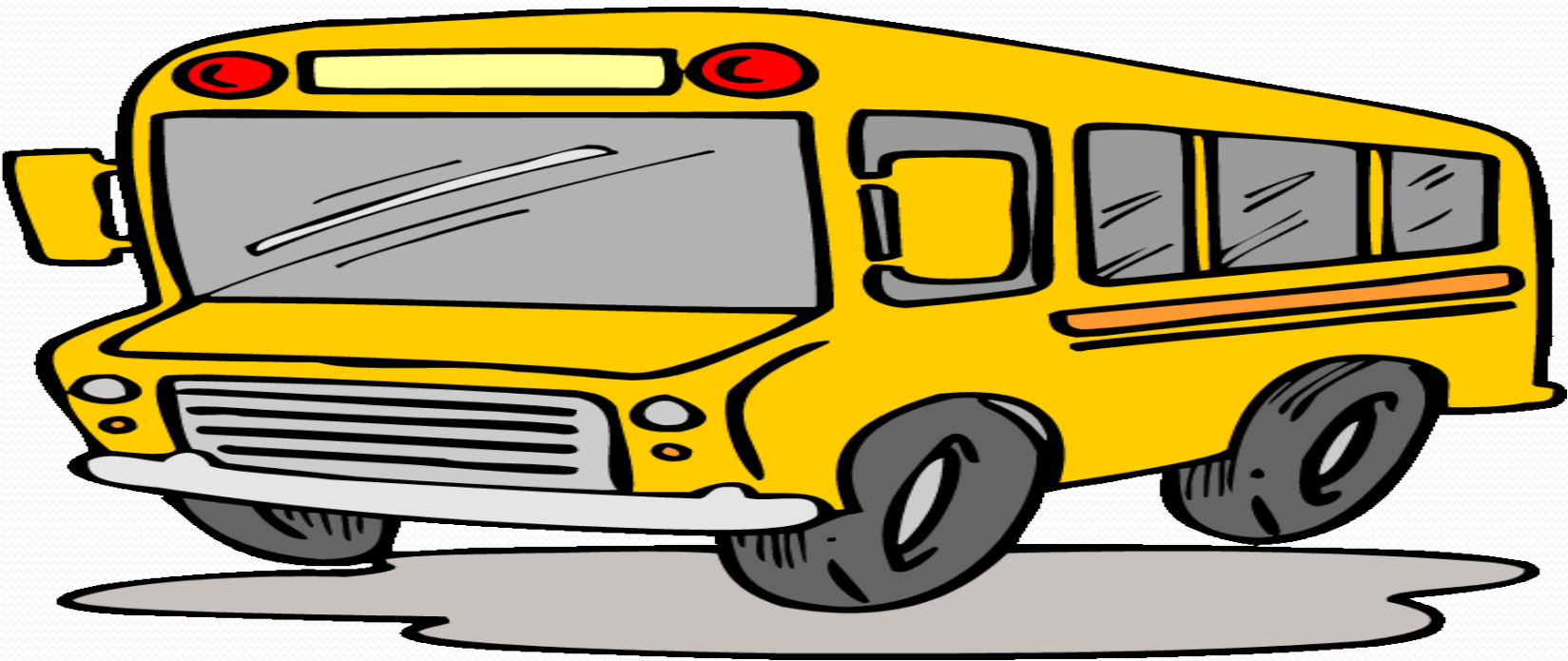
पाठ के मुख्य बिन्दु

- पन्ना पहुँचने के लिए सभी मित्रों की योजना।
- लोगों की सलाह के अनुसार समझदार लोग शाम की बस से नहीं जाते।
- उस वृद्धा बस को देख उसके प्रति श्रद्धा उमड़ना।
- हिस्सेदार साहब का बस की तारीफ करना।



पाठ के मुख्य बिन्दु

- डाक्टर मित्र का बस को विश्वसनीय बताना।
- विदा करने आए लोगों द्वारा लेखक को अनकही अंतिम विदाई देना।
- इंजन का खस्ता हाल।
- गांधी जी के असहयोग आंदोलन के समान सीट का बाडी से असहयोग।
- एकाएक बस का रुकना।



पाठ के मुख्य बिन्दु

- ड्राइवर का नली से पेट्रोल डालकर इंजन तक पहुँचाना।
- बस की क्षत-विक्षत दशा को देख कर हरे- भरे पेड़ भी दुश्मन के समान प्रतीत होते।
- अचानक से बस का रूकना तथा हिस्सेदार साहब का फिर भी अपनी टूटी-फूटी बस की तारीफ़ करना।
- लेखक का अपने फैसले पर ग्लानि अनुभव करना।
- थोड़ी देर चलने के बाद पुलिया पर फिर टायर का बैठ जाना।
- हिस्सेदार साहब के प्रति श्रद्धा भाव से देखना तथा उनकी बलिदान की भावना से प्रभावित होना।
- एक खराब टायर को दूसरे खराब टायर से बदलना।
- अंततः उसे ही नियति समझ खुशी-खुशी उसी वयोवृद्ध बस में अपने गंतव्य तक सही सलामत पहुँचने की कामना करना।

उच्चारण अभ्यास

- वयोवृद्ध
- वृद्धावस्था
- विश्वसनीय
- निमित्त
- असहयोग
- स्टीयरिंग
- रफ़्तार
- ग्लानि
- प्राणांत
- इत्तफ़ाक
- अंत्येष्टि
- श्रद्धाभाव
- उत्सर्ग
- प्रयाण

शब्दार्थ

- हाज़िर: उपस्थित
- डाकिन: डराने वाली
- श्रद्धा: किसी के प्रति आदर , सम्मान और प्यार की भावना
- वयोवृद्ध: बूढ़ी या पुरानी
- वृद्धावस्था: बुढ़ापा
- विश्वसनीय: भरोसे वाली
- कूच करना: जाना
- निमित्त: कारण
- असहयोग: साथ न देना
- भेदभाव: अंतर
- इत्तफ़ाक़: संयोग
- क्षीण: कमज़ोर
- दयनीय: बेचारी
- ग्लानि: खेद
- प्राणांत: मरना
- अंत्येष्टि: अंतिम क्रिया
- उत्सर्ग: बलिदान
- प्रयाण: प्रस्थान

अनुभव आधारित अधिगम एवं गृहकार्य

छात्रों को दी गई किन्हीं तीन गतिविधियों को करने के लिए कहा जाएगा:-

- अनुमान कीजिए यदि बस जीवित प्राणी होती, बोल सकती तो वह अपनी बुरी हालत और भारी बोझ को किन शब्दों में व्यक्त करती ?
- इंजन की स्थिति को अभिनय के द्वारा दर्शाइए।
- बस में एक यात्रा कीजिए तथा अपने अनुभव सांझा कीजिए।
- दो दयनीय बसों की व्यथा को संवादों के माध्यम से दर्शाइए।
- छात्रों को समूहों में बाँटकर पाठ का अभिनय करने के लिए कहा जाएगा।